

तिषपुरे चापि नरकं साधु तर्कये (in Parallele mit ज्ञानामि, विदितो मे) HARIV. 3134. im Sinne haben zu, gedenken zu; mit dem infln.: सो ऽस्मान्-तर्कयत् भोक्तुम् MBh. 3, 16244. तर्कयते सुराङ्कृतम् 1894. बलिमिव परि-भोक्तुं वापसास्तर्कयति MRĀH. 157, 11. MRĀH. 82. अतर्कित an den oder woran man nicht gedacht hat, unerwartet AK. 3, 5, 7. HARIV. 4467. BHARTĀ. 3, 63. KUMĀRAS. 4, 22. KATHĀS. 10, 187. 25, 219. PRAB. 117, 6 (vgl. Schol. 2). — 5) in's Klare kommen: देवो वा तौ मनुष्यौ वा न तर्कयितुमुत्सहे R. 3, 25, 12. — 6) scheinen oder sprechen DRĪTUP. — WERBA vermuthet, dass die urspr. Bed. drehen sei; vgl. torquem.

— अनु 1) in Gedanken bei Jmd sein: देवमेवान्वतर्कयत् MBh. 3, 1722. — 2) in Jmd Etwas sehen, Jmd halten für: त्वामर्थिनं विप्रमुतानुतर्कये BHĀG. P. 8, 18, 32.

— निम् s. निष्ठक्य.

— परि 1) hinundherstinnen, sich in Gedanken womit beschäftigen: मनोरथैश्चैव तु वित्तयामि तथैव बुद्ध्या परितर्कयामि R. 5, 30, 18. न ह्यहं तं कपि मन्ये कर्मभिः परितर्कयन् 41, 6. इमे हि दिव्ये मणिकुण्डले मे देवाश्च — तेस्तेरुपायिरपरकृतकामाङ्गिरेषु नित्यं परितर्कयन्ति MBh. 14, 1683. अ-परितर्कित unerwartet HARIV. 4500. — 2) Jmd gerichtlich verhören, vernehmen: कश्चिन्न तर्कयुक्ता वा ये चाप्यपरितर्किताः । त्वया वा तव वा-मात्यैर्बध्यन्ते तात मानवाः ॥ R. GORR. 2, 109, 16.

— प्र 1) über Etwas (acc.) in's Klare kommen, erschliessen: इमिदमि-ति तत्र तत्र तत्तत्स्वपरमैर्गर्क्येनं प्रतर्कयद्भिः MBh. 12, 6637. स्थिरत्व्या-यमिर्बलं वैद्यः प्रतर्कयेत् Suçr. 1, 130, 1. — 2) halten für: प्रतिघनीनात्म-कृताविश्रम्य — प्रतर्कयन्म्यमृगेन्द्रनानान् BHARTĀ. 2, 9. — Vgl. प्रतर्क, प्रतर्क्य.

— संप्र halten für: अययातं च समराद्विषसं संप्रतर्क्य तम् HARIV. 15804.

— वि 1) vermuthen, glauben: तन्नूनं मृत्युमाप्स्यतीति वितर्कयामि PĀN-ĀT. 35, 5. sich in Vermuthungen ergehen: किं नु स्वित्देतत्पतीति सर्वे वितर्कयन्तः परिमोहिताः स्मः MBh. 1, 3571. Vermuthungen über Jmd (acc.) anstellen: इत्ये सशिष्येषु भृगुधनेकधा वितर्क्यमाणो भगवान्स वामनः BHĀG. P. 8, 18, 23. अविर्कित wovon man keine Ahnung gehabt hat R. 2, 69, 21. — 2) halten für: अलज्जिलत्तपौरुषमलज्जो वितर्कयेत् Suçr. 1, 298, 17. — 3) nachdenken, nachsinnen, erwägen MBh. 4, 221. वितर्कयन्नास्य ल-भामि निश्चयम् 234. वितर्क्य मनसापि R. 5, 35, 39. ततः स वितर्क्याब्रवीत् PĀNĀT. 121, 25. KATHĀS. 21, 124. BHĀG. P. 1, 4, 27. वितर्कयन्तो बद्धधा 3, 20, 33. über Etwas (acc.) nachsinnen: गुरुलाघवमर्थानामारम्भेष्वितर्कय-न् R. GORR. 2, 65, 6. — 4) in's Klare kommen, erschliessen: वितर्क्य का-मज्ञैर्चिह्नैः KATHĀS. 7, 67. — Vgl. वितर्क fgg.

— संवि über Etwas nachdenken MBh. 4, 234.

— सम् halten für: (ताम्) पुनः संतर्कयामासं र्वेर्धृष्टामिव प्रभाम् MBh. 1, 6540. एवं संतर्कयामासं त्रपद्दविषासंपदा । कन्यामसदृशो लोके 6548.

तर्क (von तर्क) 1) m. a) Vermuthung: यतस्तर्को न मे वृथा MBh. 4, 1409. एषा कृषेणा ज्ञानामि तर्कश्चापि दृढो मम R. 5, 71, 12. किं वृथा तर्कणान्वि-ष्यते (अर्थः) ÇĀK. 72, 10. 34, 7. अस्त्येकस्तर्कः 83, 6, v. l. VIER. 26, 4. तद्वा-वबोधैकफलो न तर्कः MĀLAV. 45. नैतावता भवन्तं प्रसन्नतर्क मन्ये 31, 23. RĪGĀ-TAN. 3, 118. नूनं तर्के ऽर्थनिश्चये AK. 3, 4, 23 (COLEBR. 25), 12. तर्क्यु-क्तं viell. in blosser Verdacht stehend R. GORR. 2, 109, 16. — b) Erwä- gung, geistige Betrachtung, Raisonement, Speculation, = वितर्क, ऊ-

ह, विचार, दृष्टोऽहं AK. 1, 1, 12. TRĪK. 1, 1, 114. 3, 2, 15. H. 323. an. 2, 9. MED. k. 24. तर्को विचारः संदेहाद्दूषिरोऽङ्गुलिनर्तकः ŚĀB. D. 74, 17. त-र्कः क्वचित् शङ्कानिवर्तकः BHĀṢĀP. 136. तं वै फलार्थिनं मन्ये धातरं तर्क-चतुषा MBh. 1, 6374. नैषा तर्कणा मतिरपनया प्रोक्तान्येनैव मुञ्जानाय KĀ-TRĪK. 2, 9. विधिर्विधेयस्तर्कश्च वेदः PĀR. GĀH. 2, 6. शार्ष धर्मपदेशं च वेद-शास्त्राविरोधिना । यस्तर्कणानुसंधते स धर्मं वेद नेतरः ॥ M. 12, 106. भा-ष्याणि तर्कयुक्तानि MBh. 2, 453. शुष्कतर्कं परित्यज्य श्राश्रयस्व श्रुतिं स्म-तिम् 3, 18463. तेषां (धातूनां) मनुष्यास्तर्कणा प्रमाणाणि प्रचक्षते 6, 186. अ-चित्त्या खलु ये भावा न तास्तर्कणा साधयेत् 187. अकल्को ह्यतर्कश्च ब्रा-ह्मणः — केतननामः 13, 1600. स्फुरति सफलस्तर्कः PĀNĀT. III, 258. स्मृ-तितर्कादिप्रयुक्तैस्तर्कैः (तर्क 1. in der Bed. von c) MADHUS. in Ind. St. 1, 19, 5 v. u. अत्रायं तर्को बोध्यः Sch. zu KĀP. 1, 65. हूं तर्के स्यात् AK. 3, 5, 18. — c) eine auf Speculation, freier Forschung beruhende Lehre, ein philosophisches System, = हेतुविशेष MED. = तर्कविशेष (wohl Logik) H. an. KĀRANAVJ. in Ind. St. 3, 260, fg. कथं पुनः स्वभावद्वन्द्वनामामागानां च त-र्कणां च समवायः संपन्नः PRAB. 86, 14. स्मृतितर्कादिप्रयुक्तैस्तर्कैः MADHUS. in Ind. St. 1, 19, 5 v. u. वेद — तर्क VOP. 25, 7. तर्केतिहासाङ्गपुराणसंदि-ताः BHĀG. P. 8, 21, 2. वाद्वादास्त्यजेतर्कान् 7, 13, 7. सदा तदेवासतर्कैस्ति-रोधीयेत विद्मन् 2, 6, 40. Zu den mehr oder weniger orthodoxen Sys-temen der Philosophie gehören folgende sechs: Pūrva- und Uttara- Mīmāṃsā, Njāja, Vaiçeshika, Sāṃkhya und Joga COLEBR. Misc. Ess. I, 228, fg.; eine andere Sechszahl s. u. तार्किक. Daher तर्क zur Bez. der Zahl sechs gebraucht ŚĀRĀS. 12, 87. — d) in der Logik Widerlegung, reductio ad absurdum COLEBR. Misc. Ess. I, 292. TARKASĀNGR. 52. MADHUS. in Ind. St. 1, 18, 5 v. u. युक्तिपूर्वकसाधकतर्कविचारः Sch. zu ÇĀM. 1, 8. — e) = काङ्क्षा Wunsch, Verlangen H. an. MED. = आकाङ्क्षा ÇKDR. sup- plying an ellipsis (आकाङ्क्षा); cause, motive WILS. nach MED. — 2) f. आ geistige Betrachtung, Raisonement: विज्ञातव्या मनुष्यैस्तर्कया सुवि-नीतया MBh. 4, 892. — Vgl. अतर्क, कुतर्क, त्रपतर्क.

तर्कक adj. subst. nach H. 388 arm, Bettler; aber die Hd Schr. und die Scholl. lesen तर्कुक. Die Bed. passt zu MBh. 12, 1537: कामैः संतर्पया-मास कृपाणांस्तर्ककानपि. Die Bed. arm kann sich aus der Bed. der sich bloss mit Speculation abgiebt entwickelt haben.

तर्कग्रन्थ (तर्क + ग्रन्थ) m. Denklehre, Lehrbuch der Logik Suçr. 2, 360, 13. Verz. d. B. H. No. 666.

तर्कज्वाला (तर्क + ज्वाला) f. die Flamme der Speculation, Titel eines buddh. Werkes WASSILJEV 260. 319.

तर्कणा (von तर्क) n. das Vermuthen, Ahnen: परिकीर्त्यात्मदोषाद्यैः शङ्का-नर्थस्य तर्कणम् ŚĀB. D. 70, 20.

तर्कणीय (wie eben) adj. der für Jmd (gen.) ein Gegenstand der Ver- muthungen ist, der bei Jmd schlimme Gedanken von sich erregt: प्रदा-यैयामुचितं तात राज्यं सुखी पुत्रैः सङ्कितो मोदमानः । न देवानां नापि च म-नुष्याणां भविष्यसि त्वं तर्कणीयः MBh. 5, 4093.

तर्कप्रकाश (तर्क + प्रकाश) m. = तर्कभाषाप्रकाश (s. u. तर्कभाषा) Verz. d. B. H. No. 681. 701. fgg.

तर्कभाषा (तर्क + भाषा) f. Titel eines Handbuchs des Njāja MACK. Coll. I, 17. COLEBR. Misc. Ess. I, 263. °प्रकाश und °सारमञ्जरी Titel von Commentaren zu dem ebengenannten Werke ebend. Verz. d. B. H. No.